(संगोष्ठी कार्य विवरण)

तबले की परंपरागत वादन शैली का अस्तित्व : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में

(Conference Proceeding)
Existence of Traditional Tabla Playing style
in current perspective

राष्ट्रीय संगोष्ठी

13–14 फरवरी 2018

डॉ. राहुल स्वर्णकार
संपादक एवं संयोजक, राष्ट्रीय संगोष्ठी

संगीत विभाग

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र.
(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

Scanned by CamScanner

तबले की परंपरागत वादन शैली का अस्तित्व : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में (राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्य विवरण)

(Existence of Traditional Tabla Playing style - in current perspective)
(National Conference Proceeding)

संपादक एवं संयोजक-
डॉ. राहुल स्वर्णकार
सहा. प्राध्यापक
संगीत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर वि.वि. सागर (म.प्र.)

© सर्वाधिकार संयोजक

संस्करण:
प्रथम (सन् 2018)

प्रकाशक:
ND Publication
Badapur South East Delhi 110044
www.ndpublication.com
Email: ndpublication@gmail.com

: /-

ISBN : 978-81-934037-8-5

Scanned by CamScanner

अनुक्रमणिका

क्र.	शीर्षक	लेखक	पेज
1.	तबला: कुछ विचार ...	प्रो. मुकुन्द भाले	20
2.	बदलते परिवेश में तबला वादन – एक चुनौती	पं.देवेन्द्र वर्मा	22
3.	तबला वादन में निकास की महत्ता	प्रो. प्रवीण उद्धव	25
4.	तबला वादन परंपरायें (एक सकारात्मक अध्ययन)	डॉ. राहुल स्वर्णकार	27
5.	नाट्यषास्त्र व संगीत रत्नाकर ग्रन्थ में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के बदलते प्रारूप की व्याख्या	डॉ. रश्मि श्रीवास्तव	31
6.	शास्त्रीय संगीत की विविध शैलियों का अन्तर्सम्बन्ध	विभा सिंह	39
7.	भारतीय ताल परंपरा एवं चिकित्सकीय प्रयोग	डॉ.अवधेश प्रताप सिंह तोमर	41
8.	बनारस के तबले में धमार वादन की परम्परा	डॉ. हरिओम हरि	45
9.	भारतीय संगीत : रस तथा भावों का अद्वैत संगम	डॉ. आरती सिसोदिया	49
10.	तबला वादन उत्पत्ति एवं विकास	डॉ0 खुशब	52
11.	रावण के अन्तःपुर के वाद्ययन्त्र	डॉ. नौनिहाल गौतम	54
12.	संगीत शिक्षण व परीक्षण प्रणाली	डॉ. पूजा गोस्वामी	58
13.	तबला वादन में बंदिशें	डॉ. नागेश कुमार त्रिपाठी	62
14.	सिख गुरु साहिबान द्वारा उच्चरित ताल सम्बन्धित वाणी	प्रो. स्वरलीन	66
15.	बोलों का निकास एवं हाथ का रखरखाव	विभूति मलिक	71
16.	संगीत में तबले की उत्पत्ति का तथ्यात्मक विश्लेषण	डॉ. प्रेमकुमार चतुर्वेदी	74
17.	संगीत में सौन्दर्य शास्त्र	श्रीमती रागिनी श्रीवास्तव	79
18.	अनुराधा पाल : एक स्वर्णिम हस्ताक्षर	डॉ. प्रियंका अरोड़ा	82
19.	अछोप–अक्षोभ या अप्रचलित रागों का प्रचलन	डॉ. रवि पंडोले	85

Scanned by CamScanner